एक नजर

राजेश मिश्रा को इंदौर संभाग में संभागीय सह सचिव का दायित्व सौंपा

बुरहानपुर। सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर्स महासंघ प्रदेश नेत्तृत्व द्वारा बुरहानपुर जिले से राजेश मिश्रा को इंदौर संभाग में संभागीय सह सचिव का दायित्व सौंपा गया हैं ,इस दायित्व से पेंशन महासंघ एवं म प्र राज्य कर्मचारी संघ के दायित्व वान पदाधिकारीयो द्वारा राजेश मिश्रा का स्वागत किया गया एवं उनके निवास पर जाकर शुभकामनाएं दी गई। सर्व प्रथम परंपरा अनुसार परिचय तत्पश्चात राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के सह सचिव एवं प्रदेश सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर्स महासंघ के सह सचिव,संभागिय प्रभारी दिलीप जी इंगले ने राजेश मिश्रा को अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। म प्र राज्य कर्मचारी संघ के पुर्व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय राज्य कर्मचारी महासंघ के पुर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंगले जी ने कहा की किसी कों भी दायित्व उनके कार्य के आकलन पर मिलता है। जों व्यक्ति संगठन के लिए समर्पित है और संगठन की रिती निती के अनुसार अनुशासित होकर कार्य करता है, उनको आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया जाता है ।यह संगठन के नियम है, भाई साहब राजेश मिश्रा जी से भी हमे उम्मीद है की नि:स्वार्थ भाव से सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए सम्भागीय स्तर पर कार्य करेंगे। इस अवसर पर म प्र राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शांताराम निंभोरे, पेंशन महासंघ के जिला अध्यक्ष श्री देवीदास विश्वकर्मा,म प्र राज्य कर्मचारी संघ के कार्यकारी जिला अध्यक्ष श्री आसिफ पिंजारी, पेंशन महासंघ से प्रमोद जावले,सतिष इंगले,लक्ष्मण महाले, मुकेश सहगल, सुनील वाणी, उमेश कोष्टा उपस्थित थे। सभी ने प्रदेश नेत्तृत्व का ह्रदय से आभार जताया।

महेश रायकवार का निधन, आज अंतिम संस्कार

बुरहानपुर। महिला मोर्चा की अध्यक्ष किरण रायकवार जी के जेठ जी एवं श्री कैलाश रायकवार जी के बड़े भाई व आकाश रायकवार के पिताजी श्री महेश रायकवार जी निवासी सीलमपुरा इनका देवलोक का गमन हो गया है ।अंतिम यात्रा 29/05/2026 सुबह 8.30 निज निवास सीलमपुरा से सतीयारा घाट महाजनपेट जाएगी ।ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे एवं उनके परिवार को दु:ख सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

ग्रीष्मकालीन अवकाश में हो वृद्धि शैक्षणिक सत्र शुरू हो 1 जुलाई से . संतोष सिंह दीक्षित

बुरहानपुर। कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर संतोष सिंह दीक्षित ने राज्य सरकार के मुखिया माननीय मोहन यादव जी एवं शिक्षा मंत्री रावउदय प्रताप सिंह से निवेदन किया है की भीषण गर्मी को देखते हुए और तापमान में लगातार वृद्धि होते हुए जनसाधारण ह्लू की चपेट में आ रहे हैं एवं भीषण गर्मी के कारण गंभीर बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं एवं इस समय जनगणना कार्यक्रम का प्रथम चरण मकान सूचीकरण भी प्रगति पर है जिसमें लगभग 70: शिक्षिका एवं शिक्षक इस कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं तथा ज्यादातर स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मकान सूचीकरण का कार्य कर रही है 46: 47: डिग्री तापमान में घर.घर जाकर जानकारी करना कठिन कार्य होता है पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 1 जून से शिक्षकों के लिए एवं 15 जून से छात्र.छात्राओं के लिए शैक्षणिक सत्र शुरुआत करने की भी तैयारी है। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष डॉ अशफाक खान,शिक्षक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र चौकसे, अजेक्स के राजेश साल्वे ,नेशनल मूवमेंट के अनिल बाविस्कर विशेष राठौर ,अपॉक्स के राजकुमार मंडलोई, मंडी कर्मचारी महासंघ के सदानंद कापस, शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश सचिव संतोष दलाल द्वारा राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि 46 डिग्री तापमान पर शैक्षणिक सत्र प्रारंभ करना उचित नहीं है तथा निर्णय छात्र हित में भी नहीं है अन्य राज्यों ने भीषण गर्मी को देखते हुए शैक्षणिक सत्र जून माह में प्रारंभ नहीं किया जा रहे हैं अत: मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए भीषण गर्मी को देखते हुए एवं गर्मी के प्रकोप के कारण नवीन शैक्षणिक सत्र 1 जुलाई से प्रारंभ करने की मांग शासन प्रशासन से करते हैं ।

44वीं जूनियर और सब जूनियर नेशनल शूटिंग बॉल चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों का किया चयन

बुरहानपुर। पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर आशुतोष बागरी के मार्गदर्शन,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं नगर पुलिस अधीक्षक गौरव पाटिल के प्रोत्साहन से जिले के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 44वीं जूनियर एवं सब जूनियर नेशनल शूटिंग बॉल चैंपियनशिप 2026 हेतु चयन हुआ है। उक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 29 मई 2026 से 31 मई 2026 तक जिला बापतला, आंध्र प्रदेश में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में अंडर.17 एवं अंडर.19 बालक एवं बालिका वर्ग में भारत के विभिन्न राज्यों की टीमें सहभागिता करेंगी। सभी चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु रवाना हुए।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ी इस प्रकार हैं। बालिका वर्ग:-दिव्यानी महाजन, ज्योति दशोरे, चित्रा रत्नपारके, वैष्णवी महाजन, दीपाली श्रीवास, दिव्यांशी शाह, पूजा पवार। **बालक वर्ग:**-राहुल कापसे, स्वास्तिक राजपूत। चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत किया जाएगा ।जिसमें प्रथम पुरस्कार 16,000/- ,द्वितीय पुरस्कार 14,000/-,तृतीय पुरस्कार 8,000/-, चतुर्थ पुरस्कार 6,000/-रूपए। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिले के युवा खिलाड़ी खेलों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बुरहानपुर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित कर रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन, समर्पण एवं खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने की अपेक्षा व्यक्त की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं नगर पुलिस अधीक्षक गौरव पाटिल एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी बुरहानपुर द्वारा खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल युवाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना का विकास करते हैं तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन जिले के लिए गौरव की बात है एवं उज्ज्वल भविष्य की बधाई दी गई।

जिसकी हत्या के आरोप में पिता-भाई जेल में, वह जिंदा, कहा इन्हें छोड़ दें

महाराष्ट्र पुलिस ने सिर कटी और जली हुई लाश को मान शिवानी की लिया था ...

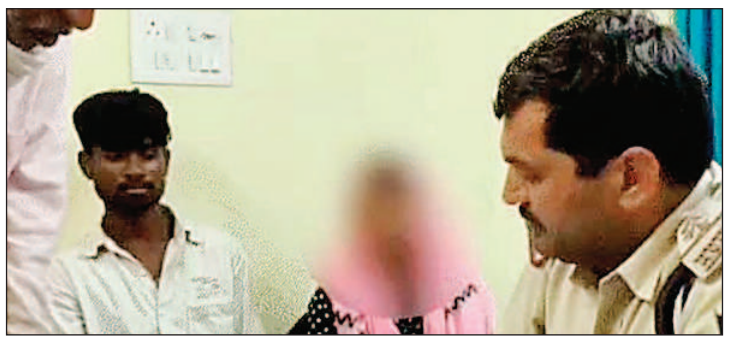

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। जिस युवती की हत्या के आरोप में पिता और भाई जेल में बंद हैंए वह अचानक जिंदा लौट आई। उसने 27 मई की रात बुरहानपुर जिले के खकनार थाने में जाकर बताया. साहब ! मैं जिंदा हूं3मेरे पिता और भाई को छोड़ दीजिए। खकनार थाना प्रभारी अभिषेक जाधव ने बताया कि शिवानी 24 अप्रैल को लापता हो गई थी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर 1 मई को खकनार थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। जांच के दौरान पता चला कि क्षेत्र का ही एक युवक अर्जुन भी लापता है। दोनों के साथ रहने की जानकारी सामने आई। अर्जुन की गुमशुदगी 9 मई को दर्ज की गई थी।

इसी दौरान महाराष्ट्र के जलगांव जामोद क्षेत्र में एक युवती की सिर कटी और जली हुई लाश मिली, जिसकी पहचान नहीं हो पा रही थी। सीसीटीएनएस पर दर्ज गुमशुदगी के आधार पर महाराष्ट्र पुलिस बुरहानपुर पहुंची। खकनार पुलिस से जानकारी लेने के बाद उस अज्ञात शव को शिवानी मान लिया गया। इसके बाद शिवानी के पिता बापूराव और भाई अजय को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर बुलढाणा जेल भेज दिया गया।

मामले ने तब नया मोड़ लियाए जब शिवानी को पता चला कि उसके पिता और भाई उसकी हत्या के आरोप में जेल में हैं। इसके बाद उसने परिजनों से संपर्क किया। सूचना मिलते ही खकनार पुलिस ने शिवानी और अर्जुन को खोज निकाला। शिवानी ने पुलिस को बताया कि वह 24 अप्रैल को अर्जुन के साथ चली गई थी और दोनों जिंदा हैं। उसने कहा कि वह अपने पिता और भाई को जेल से छुड़ाना चाहती है। टीआई के अनुसार शिवानी की पहचान थम इंप्रेशन और सरकारी पहचान पत्रों के जरिए की गई। परिजनों और रिश्तेदारों की मौजूदगी में पंचनामा तैयार कर पुष्टि की गई कि वह शिवानी ही है। बुधवार रात महाराष्ट्र पुलिस शिवानी और अर्जुन को अपने साथ जलगांव जामोद ले गई। अब उसके पिता और भाई की रिहाई की कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

जली हुई लाश किसकी थी। नए सिरे से होगी जांच:-शिवानी के जिंदा सामने आने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि महाराष्ट्र में मिली सिर कटी और जली हुई लाश आखिर किसकी थी।

खकनार पुलिस का कहना है कि अब पूरे मामले की नए सिरे से जांच होगी और अज्ञात शव की पहचान के साथ पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाई जाएगी।

जिसे सब ठुकराते है उसे भोला अपनाते हैं : ममता दीदी

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। बुरहानपुर आज प्रतापपुरा स्थित गौशाला प्रांगण में कथा के चतुर्थ दिवस की कथा में ममता दीदी व्यास ने कहा जिसको सब ठुकराते है उसे भोला अपनाते हैं भोला उसको चाहते है जिसकी भावना अच्छी है जब कोई साधक उनके पास आता है वह उसके ऊपर सबकुछ नौछ्यावर कर देते है।

उन्होंने कहा कि बिल पत्र की आयु ग्यारह दिन है उसी प्रकार शिवपुराण कथा वचन भी 11दिन होता है पर ब्राह्मण पारायण करके इसको पूर्ण करते है जिससे हमको किसी प्रकार का दोष नहीं लगे। चावल एक जगह दूसरे जगह लगाया जाता तो वहां चावल अक्षुण होते है इसलिए उसे अक्षत होते है इसलिए जब शादी के समय अक्षत चढ़ाए जाते है।

जामा मस्जिद में शहरकाजी ने कराई अमन की दुआ, ड्रोन से निगरानी

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। बुरहानपुर में गुरुवार को ईद.उल.अजहा का त्योहार श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। शहर की तीन प्रमुख ईदगाहों और सभी मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की गई। सिंधी बस्ती स्थित शाहजहांनी ईदगाह में मुख्य नमाज हुई, जिसमें लगभग 15 हजार लोगों ने शिरकत की। गणपति नाका और सिलमपुरा की ईदगाहों में भी नमाज अदा की गई। नमाज के बाद देश और दुनिया में अमन.चैन के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं। शाही जामा मस्जिद में शहर काजी सैयद इकराम उल्ला बुखारी ने ईद की विशेष नमाज अदा कराई। उन्होंने देश और दुनिया में शांति के लिए दुआ कराई। उन्होंने समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने और बच्चों को अच्छी तालीम दिलाने के लिए प्रेरित किया।

ईद की नमाज के दौरान सुबह 6 बजे से 8 बजे तक शहर में यातायात मार्ग परिवर्तित रहा। शनवारा से लालबाग जाने वाले वाहनों को स्टेडियम के पास से इंदिरा कॉलोनी होते हुए निकाला गया। लालबाग से शनवारा के लिए भी यही मार्ग निर्धारित था। गणपति नाका से आने.जाने वाले वाहन दरगाह.ए. हकीमी रोड से गुजरे। सिंधीबस्ती से गणपति नाका रोड को दो घंटे के लिए बंद कर दिया गया थाए जिसके बाद आवाजाही सामान्य हो गई। त्योहार के मद्देनजर पुलिस.प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर था। जिलेभर में 600 पुलिस जवान तैनात किए गए थे। शहर में 60 फिक्स प्वाइंट स्थापित किए गए, जिनमें जयस्तंभ,कमल चौक,गांधी चौक और मंडी बाजार जैसे छह बड़े स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। आठ मोबाइल पार्टियां लगातार गश्त करती रहींए जबकि कंट्रोल रूम में 100 जवानों का रिजर्व बल भी तैयार रखा गया था। इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन की मदद से हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी गई। सुरक्षा व्यवस्था में नगर और ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों का भी सहयोग लिया गया।

मूकबधिर विद्यालय का नवीन शिक्षण सत्र का 16 जून से

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। जायंट्स चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निशुल्क संचालित मूकबधिर अंध विद्यालय की कार्यकारिणी में सर्व सहमती से यह निर्णय लिया गया की सन 1994 से संचालित मूकबधिर अंध विद्यालय के वर्ष 2026 27 के शिक्षण सत्र का शुभारम्भ 16 जून 2026 से होगा। ट्रस्ट अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल ने बताया की विगत लगभग 31 वर्षो से संचालित इस शाला से कई दिव्यांग छात्र एवं छात्रा,पढ लिखकर समाज में एवं विभिन्न विभागों में कार्यरत होकर देश के उत्थान में सहायक बन रहे है।

जायंट्स चेरिटेबल ट्रस्ट सचिव महेंद्र जैन ने बताया की एक भी बालक बालिका विद्यार्थी से किसी भी प्रकार से कोई शुल्क ना लेते हुए दिव्यांग विद्यार्थियों की शिक्षण को प्राथमिकता देते हुए उनके जीवन को सबल बनाने में इस शाला के ट्रस्ट सदस्यों एवं शाला के आदरणीय गुरुजनों का बहुत बड़ा योगदान है। ट्रस्ट कोषाध्यक्ष सुनील ककड़ ने बताया की यह शाला दानदाताओ के सहयोग से ही संचालित होकर दिव्यान्गता शिक्षण क्षेत्र में ऐसा कार्य कर रही है जिससे दिव्यांग छात्र एवं छात्रा आत्मनिर्भर बन सके। आज कार्यकारिणी बैठक अवसर कार्यकारिणी सदस्य सत्यनारायण शर्मा,रविन्द्र गुप्ता, प्रशांत श्रॉफ एवं शाला स्टाफ द्वारा शाला हीत में कई महत्वपूर्ण निर्णय लेकर शाला को 16 जून 2026 से प्रारम्भ करने का निश्चय किया गया है। इस शाला का एक ही उदेश्य की जिले के अंतर्गत जितने भी दिव्यांग भाई बहन है वह अगर पहली से आठवी तक शिक्षण ग्रहण करना चाहते है तो वह शाला में आकर या हमारे गुरुजन जब आपके पास आये तो उनसे सम्पर्क साधकर शिक्षण ग्रहण करना चाहते है, उनका एडमिशन दिलवाकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढाने में सहयोग प्रदान करे।

सरकारी स्कूल में लगा खेल प्रशिक्षण शिविर

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। मध्य प्रदेश पुलिस जिला बुरहानपुर की महिला सुरक्षा शाखा प्रधान आरक्षक निधि शर्मा द्वारा सावित्रीबाई फुले शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में खेल प्रशिक्षण शिविर में खेल से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को देखा गया ।

शिविर में उपस्थित 103 बच्चों में सृजन कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र.छात्राओं को शहर पुलिस कोतवाली का निरीक्षण भी कराया गया ।कोतवाली थाना में उप निरीक्षक सुनील पाटिल द्वारा निरीक्षण कराते हुए बताया गया कि वर्तमान परिपेक्ष में बढ़ते अपराधों की रोकथाम करने के लिए सामाजिक जागरुकता जरूरी है उनके द्वारा एक बार कोड के संबंध में बताया गया। जिसे स्केन करते ही आपके द्वारा दी गई जानकारी सीधे पुलिस थाने में कार्यवाही करने वाले अधिकारी,पुलिस थाना प्रभारी, सीएसपी एवं एस.पी. के मोबाइल पर सीधे पहुंच जाएंगी और आपको तुरंत पुलिस सहायता प्राप्त होगी। उनके द्वारा महिला हेल्पलाइन 1090,चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस हेल्पलाइन 11 2 एवं वर्तमान में बढ़ते साइबर क्राइम की स्थिति में डायल नंबर 1930 पर शीघ्रता से सूचना देने का कारण भी बताया । प्रधान आरक्षक जमरे द्वारा शस्त्रागृह एवं जेल का निरीक्षण भी कराया गया । महिला प्रधान आरक्षक निधि शर्मा द्वारा महिला एवं बालिका सुरक्षा के लिए मध्य प्रदेश पुलिस की सशक्त पहल की विभिन्न जानकारी भी चित्रों के माध्यम से बताई गई ।

गायक अनिरुद्ध वरणगांकर' ने खूब दाद बटोरी

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। जिले की प्रतिष्ठित शासकीय मान्यता प्राप्त संस्था में गीतों की महफ्लि में चाय चांद लगाने के लिए जिले के पूर्व रहवासी अनिरुद्ध वरणगांकर प्लेबेग सिंगर ने संगीत साधना एवं साहित्य सोसायटी में बुधवार शाम 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक गीतो की झडी लगा दी श्रोताओं को ऐसा बाँध रखा कि समय पता ही नहीं चला,संस्था अध्यक्ष विलास गोसावी ने बताया कि जिले का सौभाग्य है कि ऐसी महान गायक हस्तियों ने यहां जन्म लिया है।

इस अवसर पर संगीत साधना एवं साहित्य सोसायटी के उपाध्यक्ष प्रदीप तिवारी, सैयद शकील मुन्ना भाई, वरिष्ठ सदस्य दिलीप जोशी,ठाकुर वीरेंद्र सिंह चित्रकार,पूनमचंद पांडे,मधुकर वाघले, दिलीप जोशी,सचिव रवि पांडे सहित सभी संगीत प्रेमी श्रोता एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम संगीत साधना एवं साहित्य सोसायटी कार्यालय शिकारपुरा बुरहानपुर पुराना आयुर्वेदिक कॉलेज में संपन्न हुआ।

कर्मचारियों में रोष, ग्रामीण पेयजल व्यवस्था बिगड़ने की आशंका

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। बुरहानपुर में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी ,पीएचई विभाग को बंद करने और इसके अधिकारियों. कर्मचारियों के अन्य विभागों में संविलियन की चर्चा के विरोध में गुरुवार को कर्मचारियों की बैठक हुई।

जलेश्वर शिव मंदिर परिसर में हुई इस बैठक में शासन की प्रस्तावित मंशा पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि विभाग को समाप्त करने या संविलियन का निर्णय वापस नहीं लिया गया, तो प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। कर्मचारियों ने बताया कि प्रदेश स्तर पर विभाग को अन्य विभागों में समाहित करने और लगभग 11 हजार अधिकारियों.कर्मचारियों के संविलियन की चर्चा से उनमें असंतोष और अनिश्चितता का माहौल है। उनका कहना है कि इस विलय से ग्रामीण पेयजल व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है।

पीएचई को महत्वपूर्ण विभाग बताया कि अधिकारियों ने पीएचई विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने वाला एक महत्वपूर्ण विभाग बताया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान विभाग का मैदानी अमला दिन.रात गांवों में पेयजल आपूर्ति बनाए रखने के लिए काम कर रहा है। विभाग इंदौर, ग्वालियर,जबलपुर और उज्जैन जैसे बड़े शहरों की पेयजल व्यवस्था का संचालन भी कई वर्षों से सफ्लतापूर्वक कर रहा है। बैठक में यह भी याद दिलाया गया कि 1991 से 1997 के बीच हैंडपंप संचालन और संधारण का कार्य पीएचई से लेकर पंचायत विभाग को दिया गया था। उस समय पेयजल व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई थीए जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई थी। बाद में यह कार्य पुन: पीएचई को सौंपा गया।

कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि विभाग केवल हैंडपंपों का संधारण नहीं करता। यह पेयजल स्त्रोतों की गुणवत्ता जांच, क्लोरीनेशन, जल जनित बीमारियों से जागरूकता, जल समितियों को प्रशिक्षण, ग्राम बैठकें और नवीन जल स्त्रोतों के चयन जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी निरंतर करता है। बैठक में जानकारी दी गई कि कर्मचारियों का संविलियन जनपद पंचायत,जल निगम, नगर परिषद और अन्य विभागों में किए जाने की चर्चा है। कर्मचारियों ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि इससे विभाग की कार्यप्रणाली और ग्रामीण पेयजल सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। सहायक यंत्री बुरहानपुर व नेपानगर,समस्त उपयंत्री, जिला समन्वयक, भूजलविद, रसायनज्ञ, ब्लॉक समन्वयक, तकनीकी शाखा प्रभारी, स्थापना प्रभारी, लेखा शाखा प्रभारी, कंप्यूटर ऑपरेटर्स, पीएमयू स्टाफ ,हैंडपंप तकनीशियन सहित नियमित और अन्य मौजूद रहे।

एक नजर 200 वर्ष प्राचीन स्वामीनारायण मंदिर में किया गया दिव्य अभिषेक ....

हरि-तुलसी विवाह मनोरथ और पुरुषोत्तम मास की महिमा का अलौकिक वर्णन

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। बुरहानपुर के सीलमपुरा स्थित करीब 200 वर्ष प्राचीन श्री स्वामीनारायण मंदिर में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर दिव्यता और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। पुरुषोत्तम मास के 12वें दिन भगवान लक्ष्मी नारायण देव पर दूध की अविरल धारा बहती रही, जिसके दिव्य दर्शन करने के लिए दूर.दूर से श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर परिसर भगवान के जयघोष,वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति रस से सराबोर नजर आया।

प्रात: काल से ही मंदिर में विशेष अभिषेक एवं पूजा.अर्चना का क्रम प्रारंभ हो गया था। भगवान लक्ष्मी नारायण देव का दुग्धाभिषेक बड़े ही श्रद्धा और भावपूर्वक किया गया। भगवान के दिव्य स्वरूप के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इंदौर से जयसुख भाई के नेतृत्व में लगभग 35 महिला एवं 25 पुरुष हरिभक्तों का समूह विशेष रूप से बुरहानपुर पहुंचा। सभी भक्तों ने भगवान लक्ष्मी नारायण देव के अभिषेक एवं विशेष पूजा में भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। मंदिर में पुरुषोत्तम मास के दौरान देशभर से संत.महात्माओं और हरिभक्तों का आगमन लगातार जारी है। इसी क्रम में जलगांव से संत ब्रह्मचारी एवं हरिभक्त भी पधारे, जिन्होंने मंदिर में दर्शन लाभ लेकर भगवान की आराधना की।

दिव्य अभिषेक के पश्चात मंदिर में भगवान हरि और तुलसी विवाह का मनोरथ अत्यंत भावपूर्ण वातावरण में प्रस्तुत किया गया। वैदिक रीति.रिवाजों के साथ मंगलाष्टक गाए गए और भगवान हरि के साथ तुलसी विवाह संपन्न कराया गया। इस मनोरथ के दौरान उपस्थित सभी हरिभक्तों ने पुष्प वर्षा कर आनंद एवं भक्ति का अनुभव किया। पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा। इधर कथा वाचन के दौरान व्यासपीठ पर विराजित शास्त्री चिंतन प्रियदास जी महाराज ने पुरुषोत्तम मास की महिमा का वर्णन करते हुए अनेक शास्त्रीय दृष्टांतों के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि जब भक्त भगवान के नाम का निरंतर रटन करता हैए तो भगवान स्वयं भक्त के वश में हो जाते हैं। शास्त्रों में भी कहा गया है कि भगवान केवल भजनए भक्ति और निष्कपट प्रेम से ही प्रसन्न होते हैं। जैसे मनुष्य अपने रिश्तेदारों और परिवारजनों से आत्मीय प्रेम रखता हैए उसी प्रकार यदि भक्त भगवान से तन.मन से प्रेम करे और यदि भक्त का मात्र 5 प्रतिशत भी सच्चा प्रेम भगवान के प्रति हो जाएए तो भगवान स्वयं भक्त के पीछे चलने लगते हैं।

उन्होंने कहा कि जितनी अधिक भजन.भक्ति होगीए उतना ही जीव का कल्याण होगा। पुरुषोत्तम मास की महिमा बताते हुए उन्होंने पद्म पुराण एवं स्कंद पुराण के दृष्टांत सुनाए कि यदि कोई व्यक्ति कपट भाव से भी पुरुषोत्तम मास में व्रत, स्नान और दान करता है, तो भी भगवान की कृपा उस पर हो जाती है। क्योंकि यह महीना स्वयं भगवान श्रीहरि को अत्यंत प्रिय है।

शास्त्रीजी ने कहा कि मनुष्य जन्म ही पुरुषार्थ का सबसे बड़ा साधन है। अन्य योनियों में जीव केवल कर्मों का फ्ल भोगता है, लेकिन मनुष्य योनि ही ऐसी है जिसमें जीव अपने जीवन का सुधार कर सकता है और मोक्ष का मार्ग प्राप्त कर सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे सोनोग्राफी शरीर के भीतर की स्थिति को दिखाती हैए उसी प्रकार कथा हमारे भीतर के दोषए विकार और दुर्बलताओं को उजागर करती है। यदि मनुष्य स्वयं को पहचान ले और समय रहते अपने जीवन को सुधार लेए तो उसका जीवन सफ्ल हो सकता है। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य धन प्राप्ति के लिए बिना सोचे.समझे अधर्म के मार्ग पर चल पड़ता है, जबकि शास्त्रों में लोभ को सभी पापों का पिता कहा गया है। लोभ के कारण मनुष्य का ईमान और धर्म दोनों नष्ट हो जाते हैं। जब व्यक्ति भगवान के प्रति सत्कार्य करता है, धर्म और भक्ति के मार्ग पर चलता है, तब उसके पापों का नाश होने लगता है।

उन्होंने कर्म सिद्धांत का वर्णन करते हुए कहा कि जीव चाहे किसी भी योनि में क्यों न जन्म लेए उसे अपने पुण्य और पाप कर्मों का फ्ल अवश्य प्राप्त होता है। गरुड़ पुराण एवं भागवत के उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि यदि कोई जीव अनजाने में भी किसी दिव्य तीर्थ में निवास करता हैए तो उसे दिव्य फ्ल की प्राप्ति होती है। इसी प्रकार श्री लक्ष्मी नारायण देव का यह पावन धाम भी भक्तों के लिए मोक्षदायी मर्गतीर्थ के समान है,जहां आने मात्र से जीव के जीवन में आध्यात्मिक जागृति उत्पन्न होती है। कथा के अंत में शास्त्रीजी ने सभी श्रद्धालुओं से पुरुषोत्तम मास में अधिक से अधिक भजन,सेवाए सत्संग और भगवान के स्मरण में समय लगाने का आग्रह किया।